Rajasthan Patrika, Bengaluru, Tuesday, September 29, 2015, pp: 01

पृष्ठ 14 मूल्य ₹4.00 बेंगलूरु . मंगलवार . 29 सितंबर 2015 अश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया संवत् 2072 patrika.com

गर्व की छलांग

अब अंतरिक्ष में हमारी भी वेधशाला

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका

इसरो ने पहली बार अमेरिकी उपग्रहों का प्रक्षेपण किया
इसरो ने विदेशी उपग्रह प्रक्षेपण का अर्द्धशतक पूरा किया
खगोलीय पिंडों का अध्ययन, ब्रह्मांड के रहस्यों खुलेंगे
मंगल के बाद खगोलीय वेधशाला में भी पिछड़ गया चीन

'ऐसी खासियत तो हब्बल में भी नहीं'

'एस्ट्रोसैट विशेष अंतरिक्ष वेधशाला है। इसकी मदद से वह तरंगदैर्ध्य वाले अल्ट्रावायलट, दृश्य एवं एक्स-रे तरंगों पर एक साथ ब्रह्मांड का अध्ययन किया जा सकता है। यह सुविधा हब्बल दूरबीनों में भी नहीं है।'

एएस किरण कुमार,
अध्यक्ष इसरो (मध्य में)

पीएसएलवी सी-30
ऐतिहासिक उड़ान
7 उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में छोड़ा

बेंगलूरु @ पत्रिका . भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को खगोलीय पिंडों के अध्ययन के लिए पूरी तरह समर्पित देश की पहली अंतरिक्ष वेधशाला 'एस्ट्रोसैट' का सफल प्रक्षेपण कर एक और इतिहास रच दिया। एस्ट्रोसैट के पृथ्वी की कक्षा में स्थापित होने के साथ ही भारत अमरीका-यूरोप, जापान और रूस के बाद अंतरिक्ष में वेधशाला स्थापित करने वाला विश्व का चौथा देश बन गया है। इसरो की यह उड़ान इसलिए भी ऐतिहासिक रही क्योंकि पहली बार भारत ने अमरीकी उपग्रहों का प्रक्षेपण किया।

पढ़ें ऐतिहासिक उड़ान @ पेज 9

किफायती है एस्ट्रोसैट

178 करोड़ रु. में तैयार किया है भारत ने

80 करोड़ डॉलर तक खर्च विदेश में

1650 किग्रा वजनी है यह उपग्रह

750 किग्रा के वैज्ञानिक उपकरण

पीएसएलवी की 30वीं सफल उड़ान

यह पीएसएलवी की लगातार 30 वीं सफल उड़ान थी। अपनी इस उड़ान में पीएसएलवी ने कुल 1931 किलोग्राम वजनी उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में सफलता पूर्वक पहुंचाया। वर्ष 1994 से 2015 तक कुल मिलाकर इसरो ने अभी तक 84 उपग्रहों का प्रक्षेपण किया है। यही विदेशी उपग्रह प्रक्षेपण का अर्द्धशतक भी पूरा कर लिया। इसरो अब तक 51 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण कर चुका है। इसरो की वाणिज्यिक इकाई 'एंट्रिक्स कॉरपोरेशन' ने वर्ष 2015-17 के दौरान छह देशों अल्जीरिया, कनाडा, जर्मनी, इंडोनेशिया, सिंगापुर और अमरीका के कुल 28 उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए करार किया है।

पेज 1 का शेष...

ऐतिहासिक उड़ान...

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लांच पैड से ध्रुवीय प्रक्षेपण यान पीएसएलवी सी-30 ने सोमवार सुबह ठीक 10 बजे उड़ान भरी और सात उपग्रहों को एक-एक कर पृथ्वी की कक्षा में पहुंचाया। इनमें से चार नैनो उपग्रह अमरीका तथा एक-एक उपग्रह कनाडा और इंडोनेशिया के हैं। प्रक्षेपण सटीक रहा और पीएसएलवी सी-30 ने पूर्व अनुमानित पथ का अनुसरण करते हुए 22 मिनट 32 सेकेंड बाद एस्ट्रोसैट को पृथ्वी की 644.6 किलोमीटर गुणा 651.5 किलोमीटर वाली ऊपर निर्दिष्ट कक्षा में स्थापित कर दिया। प्रक्षेपण यान से अलग होते ही एस्ट्रोसैट के दोनों सौर पैनल स्वतः तैनात हो गए और बेंगलूरु स्थित इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (इसट्रैक) ने एस्ट्रोसैट पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। एस्ट्रोसैट के अलग होने के तीन मिनट के दौरान एक-एक कर शेष सभी छह उपग्रह भी अपनी-अपनी कक्षाओं में चले गए। पूरी प्रक्षेपण प्रक्रिया 25 मिनट में पूरी हो गई। (कासं)

Rajasthan Patrika, Bangalore, Tuesday, September 29, 2015

PP.09